IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 3, Issue 1, December 2023
Impact Factor: 7.301

राधाकृष्णन के शिक्षा दर्शन का NEP 2020 के संदर्भ में आलोचनात्मक अध्ययन

A Critical Study of Radhakrishnan's Philosophy of Education in the Context of NEP 2020

डॉ आरती आर्य
प्रोफेसर, शोध निर्देशक
बीसीजी शिक्षा महाविद्यालय देवास
सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय उज्जैन

अमृता चौधरी
शोधार्थी
बी.सी.जी.शिक्षा शोध संस्थान
देवास, मध्यप्रदेश

सार (Abstract)

प्रस्तुत शोध पत्र डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के शिक्षा दर्शन का राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) के संदर्भ में आलोचनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत करता है। राधाकृष्णन ने शिक्षा को आत्म-साक्षात्कार, नैतिक विकास एवं सांस्कृतिक चेतना का माध्यम माना था। NEP 2020 ने भारतीय ज्ञान परंपरा, बहुभाषिकता, समग्र विकास एवं मूल्य-आधारित शिक्षा पर बल देकर राधाकृष्णन की विचारधारा को आंशिक रूप से मूर्त रूप देने का प्रयास किया है। तथापि, इस नीति में व्यावसायीकरण, तकनीकी निर्भरता तथा सामाजिक असमानता की चुनौतियाँ भी विद्यमान हैं जो राधाकृष्णन के आदर्शवादी दृष्टिकोण से भिन्न प्रतीत होती हैं। यह शोध पत्र दोनों के बीच सामंजस्य स्थापित करने का प्रयास करते हुए शिक्षा नीति के भविष्य के लिए सुझाव प्रस्तुत करता है।

This paper presents a critical analysis of Dr. Sarvepalli Radhakrishnan's philosophy of education in the context of the National Education Policy 2020 (NEP 2020). It examines the convergences and divergences between Radhakrishnan's idealist vision and the policy framework, and offers constructive recommendations for value-based educational reform in India.

मुख्य शब्द (Keywords): *राधाकृष्णन, शिक्षा दर्शन, NEP 2020, आदर्शवाद, भारतीय ज्ञान परंपरा, समग्र शिक्षा, मूल्य-आधारित शिक्षा, आत्म-साक्षात्कार*

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in

ISSN 2581-9429 IJARSCT